संस्कृत

२

अन्नपूर्णास्तोत्र

८ स्तो. २५-२

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

Document Scan on 04/06/2015

ॐ श्रीगणेशायनमः ॥ नित्यानंद
करीवराभयकरीसौंदर्य्यरत्नाक
री ॥ निर्द्धूताखिलघोरपावनकरी
प्रत्यक्षमाहेश्वरी ॥ प्रालेयाचलवं
शपावनकरीकाशीपुराधीश्वरी ॥
भिक्षांदेहीकृपावलंबनकरीमाता
न्नपूर्णेश्वरी ॥ १ ॥ नानारत्नविचित्र

... Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(2)

भूषणाकरी हेमांबराडंबरी ॥ मु
अ क्ताहारविलंबमानविलसद्वक्षो
२ जकुंभांतरी ॥ काश्मीरागुरुवासितां
गुरुचिराकाशीपुराधीश्वरी ॥ भिक्षां
देहि कृपावलंबनकरी माताअन्न
२ ॥ योगानंदकरी रिपुक्षयकरी ध
र्मैकनिष्ठाकरी ॥ चंद्रार्कानलभा

(2A)

समानलहरी त्रैलोक्यरक्षाकरी ॥
॥ सर्वैश्वर्यकरीतपफलकरी काशी
पुराधीश्वरी ॥ भिक्षां देहि कृपाविले
वनकरी ॥ माता॰ ॥३॥ कैलासाचल
केदरालयकरी गौरी उमाशंकरी ॥
कौमारी निगमार्थगोचरकरी ओंकार
बीजाक्षरी ॥ मोक्षद्वारकपाटपाटन

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(3)

अ करीकाशीपुराधीश्वरी॥भिक्षांदेहि
कृपाविलंबनकरीमाता॥४॥ दृ
३ श्यादृश्यविभूतिपावनकरीब्रह्मांड
भांडोदरी॥लीलानाटकसूत्रभेदन
करीविज्ञानदीपांकुरी॥श्रीविश्वेश्वर
मनःप्रमोदनकरीकाशीपुराधीश्व ३
री॥भिक्षांदेहिकृपाविलंबनकरीमा

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(3A)

नाअन्नपूर्णेश्वरी ॥५॥ उर्वीसर्वज
नेश्वरीजयकरीमातान्नपूर्णेश्वरी॥
नारीनीलसमानकुंतलधरीनित्या
न्नदानेश्वरी॥सर्वानंदकरीसदाशिव
करीकाशीपुराधीश्वरी॥भिक्षांदेहि कृ
पावलंबनकरी॥माता॥६॥आदि
क्षांतसमस्तवर्णनकरीचंद्रप्रभा

Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(5)

अ
४

भास्करी॥ काश्मीरीत्रिपुरेश्वरी
न्धिलहरीनित्यांकरीसर्वरी॥ का
कामाक्षाग्निकरीमनोभवकरीका
शीपुराधीश्वरी॥ भिक्षांदिहिकृपा
विलंवनकरोमाताअन्नपूर्णेश्व
री॥७॥ चंद्रार्कानलकोटिकोटिग
णानावालार्कवर्णेश्वरी॥ चंद्रा

A joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

कीज्वलमानकुंडलधरीचंद्रार्क
विंबोधरी॥ मालापुस्तकपाशमां
कशाधरीकाशीपुराधीश्वरी॥ भिक्षां
देहिकृपावलंबनकरी॥ माता०
८॥ दर्विपाकमनुवर्णरत्नघारिका
रंभाकरिसंस्थिता॥ वामेचारुप

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(5)

अ
५

योधरीरसहरीसौभाग्यमाहेश्वरी
भक्ताभीष्टकरीफलप्रदकरीका
शीपुराधीश्वरीभिक्षांदेहिकृपावि
लंवनकरीमाताना॥९॥सर्वज्ञानक
रीमहाभयकरीमातारूपाशाक
री॥रक्षानंदकरीनिराभयकरीवि
श्वेश्वरीश्रीधरी॥साक्षान्नमोक्ष

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(5A)

करीसदाशिवकरीकाशीपुराधी
श्वरी॥भिक्षांदेहिकृपावलंबन
करीमाताअन्नपूर्णेश्वरी॥१०॥
अन्नपूर्णेसदापूर्णेशंकरप्राण
वल्लभे॥ज्ञानवैराग्यसिध्यर्थंभि
क्षांदेहिचपार्वती॥११॥ इतिश्री
मत्शंकराचार्यविरचितंअ

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे

राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)

दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८

Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com